Title: Need to make Gorakhpur Unit of KRIBHCO in U.P. viable.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड की गोरखपुर इकाई की स्थापना सन् 1969 में हुई थी। यह उर्वरक कारखाना पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा उत्तरी बिहार के किसानों के लिए वरदान था, परन्तु 10 जून, 1990 को एक साधारण दुर्घटना के चलते उक्त कारखाना बन्द कर दिया गया। औद्योगिक दृटि से पहले से ही पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में लगे इस कारखाने के बन्द हो जाने के कारण वहां के कर्मचारियों के साथ-साथ किसानों में भी भारी निराशा व्याप्त है।

सरकार ने व्यापक जनहित में उक्त बन्द पड़े उर्वरक कारखाने को कृभको द्वारा चलवाने का सैद्धांतिक रूप से अनुमोदन करते हुए पी.आई.बी. से इसे निवेशात्मक मूल्य निर्धारित करने का निर्देश दिया था। पी.आई.बी ने परियोजना का निवेशात्मक मूल्य निर्धारित कर के शासन को अंतिम अनुमोदन के लिए प्रस्ताव भेजा है। अतः आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि कृपया गोरखपुर में कृभको द्वारा प्रस्तावित खाद कारखाने को अंतिम मंजूरी देने का कट करें।